Tattvarthadhigam Sutram Part 02

Folder No.	022486
Granth Name	Tattvarthadhigam Sutram Part 02
Author	Rajshekharsuri, Dharmshekharvijay, Divyashekharvijay
Publisher	Arihant Aradhak Trust
Edition	1
Year	2014
Pages	210

તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૨

ફોલ્ડર નં.	૦૨૨૪૮૬
ગ્રન્થ	તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૨
લેખક	રાજશેખસૂરિ, ધર્મશેખવિજય, દિવ્યશેખરવિજય
પ્રકાશક	અરિહંત આરાધક ટ્રસ્ટ
આવૃત્તિ	૧
પ્રકાશન વર્ષ	૨૦૧૪
પૃષ્ઠ	૨૧૦

મુખ્ય ટાઈટલ

સુકૃતમ્ ---------- ૨
ભૂમિકા ---------- ૩
સંપાદકની સંવેદના ---------- ૧૧
પહેલો અધ્યાય ---------- ૧૯
વિષયાનુક્રમ---------- ૧૪
સૂત્ર-૧ औपशमिकक्षायिकौ भावो ---------- ૧
સૂત્ર-૨ द्विनवाष्टादशैकविंशतित्रिभेदा यताक्रमम् ---------- ૫
સૂત્ર-૩ सम्यक्त्वचारित्रे ---------- ૭
સૂત્ર-૪ ज्ञानदर्शनदानलाभभोगोपभोगवीर्याणि च ---------- ૯
સૂત્ર-૫ ज्ञानाज्ञानदर्शनदानदिलब्धय ---------- ૧૨
સૂત્ર-૬ गतिकषायलिङ्गमिथ्यादर्शनो ---------- ૧૮
સૂત્ર-૭ जीवभव्याभव्यत्वादीनि च ---------- ૨૩
સૂત્ર-૮ उपयोगो लक्षणम् ---------- ૩૨
સૂત્ર-૯ स द्वविधोष्टचतुर्भेद ---------- ૩૪
સૂત્ર-૧૦ संसारिणो मुक्ताश्च ---------- ૩૭
સૂત્ર-૧૧ समनस्कामनस्का ---------- ૩૮
સૂત્ર-૧૨ संसारिणस्त्रसस्थावरा ---------- ૪૦
સૂત્ર-૧૩ पृथिव्याम्बुवनस्पतय स्थावरा ---------- ૪૧
સૂત્ર-૧૪ तेजोवायू द्वीन्द्रियादश्च त्रसा ---------- ૪૩
સૂત્ર-૧૫ पञ्चेन्द्रियाणि ---------- ૪૬
સૂત્ર-૧૬ द्विविधानि ---------- ૫૧
સૂત્ર-૧૭ निर्वृत्त्युपकरणे द्रव्येन्द्रियम्---------- ૫૨

सूत्र-१८ लब्ध्युपयोगौ भावेन्द्रियम् ---------- ५६
सूत्र-१९ उपयोग- स्पर्शादिषु ---------- ६०
सूत्र-२० स्पर्शनरसनघ्राणचक्षुःश्रोत्राणि ---------- ६३
सूत्र-२१ स्पर्शरसगन्धवर्णशब्दास्तेषामर्था ---------- ६५
सूत्र-२२ श्रुतमनिन्द्रियस्य ---------- ६६
सूत्र-२३ वाय्वन्तानामेकम् ---------- ६८
सूत्र-२४ कृमिपिपीलिकाभ्रमरमनुष्यादीनाम् ---------- ६९
सूत्र-२५ संज्ञिन समनस्का ---------- ७३
सूत्र-२६ विग्रहगतौ कर्मयोग ---------- ७७
सूत्र-२७ अनुश्रेणिर्गति ---------- ८०
सूत्र-२८ अविग्रहा जीवस्य ---------- ८२
सूत्र-२९ विग्रहवती च संसारिणः प्राक् चतुर्भ्य ---------- ८३
सूत्र-३० एकसमयो विग्रह ---------- ९२
सूत्र-३१ एकं द्वौ वानाहारक ---------- ९४
सूत्र-३२ सम्मूर्च्छनगर्भोपपाता जन्म ---------- ९९
सूत्र-३३ सचित्तशीतसंवृता सेतरा ---------- १०२
सूत्र-३४ जरायुजाण्डजपोतजानां गर्भ ---------- १०७
सूत्र-३५ नारकदेवानामुपपात ---------- १०९
सूत्र-३६ शेषाणां सम्मूर्च्छनम् ---------- ११०
सूत्र-३७ औदारिकवैक्रियाहारकतैजसकार्मणानि शरीराणि ---------- १११
सूत्र-३८ परं परं सूक्ष्मम् ---------- ११४
सूत्र-३९ प्रदेशतोसङ्ख्येयगुणं प्राक् तैजसाद् ---------- ११६
सूत्र-४० अनन्तगुणे परे ---------- ११८
सूत्र-४१ प्रतिघाते ---------- १२०
सूत्र-४२ अनादिसम्बन्धे च ---------- १२१
सूत्र-४३ सर्वस्य ---------- १२३
सूत्र-४४ तदादीनि भाज्यानि युगपदेकस्याचतुर्भ्य ---------- १२६
सूत्र-४५ निरुपभोगमन्त्यम् ---------- १३१
सूत्र-४६ गर्भसम्मूर्च्छनजमाद्यम् ---------- १३५
सूत्र-४७ वैक्रियमोपपातिकम् ---------- १३६
सूत्र-४८ लब्धिप्रत्ययं च ---------- १३७
सूत्र-४९ शुभं विशुद्धमव्याघाति चाहारकं चतुर्दशपूर्वधरस्य ---------- १३८
सूत्र-५० तैजसमपि ---------- १४१
सूत्र-५१ नारकसम्मूर्च्छिनो नपुंसकानि ---------- १५८
सूत्र-५२ न देवा ---------- १६०
सूत्र-५३ औपपातिकचरमदेहोत्तमपुरुषा ---------- १६३